Solutions For Class 8 Hindi 2026-27

Teacher Amrendra Singh Call @ 8967311377

अध्याय 2. ये बुज्जुर्ग (कहानी) इस्मत चुगताई

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए-

1. [क) 'जिंदगी कितने दुखों से जकड़ी हुई है।साँस लेने की इजाजत नहीं।' कैसे ?

उत्तर : रशीद और सुरेश को लगता है कि घर में बड़े-बुजुर्ग हर समय उन्हें टोकते रहते हैं— नहाने, जूते-मोज़े रखने, पढ़ने, छोटे भाई-बहनों को न चिढ़ाने जैसी बातें कहते रहते हैं।दादी अम्मा, अम्मा और आपा भी हर काम में रोक-टोक करती हैं।इसलिए उन्हें लगता है कि उनकी जिंदगी बहुत बंधनों में जकड़ी हुई है और उन्हें खुलकर जीने की आज़ादी नहीं है।

1. [ख) स्टेशन पर बच्चों ने अब्बा अम्मा को कैसे विदा किया ?

उत्तर : स्टेशन पर चारों बच्चों ने अपने आँसू रोककर अब्बा-अम्मा को हँसते हुए विदा किया ताकि उन्हें दुख न हो।लेकिन जब ट्रेन दूर चली गई, तब वे अपने आँसू नहीं रोक सके और सिसकते हुए घर लौट आए।

1. [ग) अब्बा-अम्मा के वापस आने पर रशीद ने कैसा महसूस किया ?

उत्तर : अब्बा-अम्मा के वापस आने पर रशीद बहुत खुश हुआ।उसे ऐसा लगा जैसे उसके सिर से बहुत बड़ा बोझ उतर गया हो।वह फिर से पहले की तरह निश्चिंत और शरारती हो गया।

2. किसने किससे कहा

2. (क) "कह देना, थोड़ी देर हो गई।" किसने कहा - किससे कहा ?

उत्तर : सुरेश ने - रशीद से

2. (ख) "बस हर वक्त गायब, यह नहीं कभी पास आके बैठे।" किसने कहा - किससे कहा ?

उत्तर : दादी ने - रशीद से

2. (ग) "तुम तो ऐसे घबरा रही हो, जैसे हम मरने जा रहे हैं।" किसने कहा - किससे कहा ?

उत्तर : अब्बा ने अम्मा से

2. (घ) "तुम और मरियम बात-बात पर लड़ते हो।" किसने कहा - किससे कहा ?

उत्तर : अब्बा ने -रशीद से

2. (ङ) "दुनिया के बादशाह खत्म हो रहे हैं।" किसने कहा - किससे कहा ?

उत्तर : सुरेश ने - खुद से

2. (ङ) "लो भला यह भी कोई तरीका है" किसने कहा -

उत्तर : दादी ने - सब से

3. संक्षिप्त प्रश्नोत्तर-

3. क) रशीद सुरेश की बात क्यों नहीं मान रहा था ?

उत्तर : रशीद सुरेश के साथ बाहर जाने के लिए इसलिए तैयार नहीं था क्योंकि उसे डर था कि देर होने पर उसकी अम्मा डाँटेंगी और नाराज़ हो जाएँगी। इसलिए वह सुरेश की बात नहीं मान रहा था।

3 .ख) दादी अम्मा के विषय में रशीद की क्या राय थी ?

उत्तर : रशीद की राय थी कि दादी अम्मा हर बात में टोकती रहती हैं। उन्हें ठीक से दिखाई या सुनाई नहीं देता, फिर भी वे बच्चों के हर काम में दखल देती हैं, इसलिए रशीद उनसे थोड़ा परेशान रहता था।

3 .ग) अब्बा अम्मा कहाँ जा रहे थे? क्यों ?

उत्तर : अब्बा-अम्मा पहाड़ पर इलाज कराने जा रहे थे क्योंकि अब्बा के फेफड़े में बीमारी का छोटा-सा पैच था। डॉक्टरों ने उन्हें वहाँ जाकर इलाज कराने की सलाह दी थी।

4. विस्तृत प्रश्नोत्तर-

4. क) अब्बा अम्मा के जाने के बाद रशीद और आपा के व्यवहार में क्या अंतर आया ?

उत्तर : अब्बा-अम्मा के जाने के बाद रशीद और आपा दोनों बहुत जिम्मेदार और समझदार हो गए। वे छोटे भाई-बहन मुन्नी और हमीद की देखभाल करने लगे। घर के कामों का बँटवारा किया, खर्च का हिसाब रखा और पढ़ाई पर भी ध्यान दिया। पहले वे छोटी-छोटी बातों पर झगड़ते थे, लेकिन अब घर की जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए मिलकर काम करने लगे।

4. ख) हमीद और मुन्नी समझदारी कैसे दिखा रहे थे?

उत्तर : हमीद और मुन्नी ने रोना-धोना नहीं किया और बड़े भाई-बहन की बात मानने लगे। वे अपने कपड़े और किताबें सलीके से रखने लगे, घर के छोटे-मोटे कामों में मदद करने लगे और पढ़ाई भी ठीक से करने लगे। इस तरह उन्होंने समझदारी दिखाई।

4. ग) अब्बा अम्मा के आने के बाद बच्चे अपने पुराने व्यवहार रूप में क्यों आ गए?

उत्तर : अब्बा-अम्मा के वापस आने पर बच्चों के सिर से जिम्मेदारियों का बोझ हट गया। अब उन्हें घर की चिंता नहीं रही, इसलिए वे फिर से निश्चिंत और शरारती हो गए और पहले की तरह खेलने-कूदने और झगड़ने लगे।

5. पत्र लेखन आपके क्षेत्र में लगातार बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण की ओर ध्यान दिलाते हुए क ख ग अखबार के संपादक को पत्र लिखिए।

सेवा में,
संपादक महोदय,
सन्मार्ग समाचार पत्र
विषय: क्षेत्र में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के संबंध में।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके समाचार पत्र के माध्यम से अपने क्षेत्र में लगातार बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण की ओर प्रशासन और जनता का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।हमारे क्षेत्र में वाहनों का धुआँ, कारखानों से निकलने वाला धुआँ तथा जगह-जगह कूड़ा फेंके जाने के कारण वायु और वातावरण बहुत प्रदूषित हो गया है।इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है और कई प्रकार की बीमारियाँ फैल रही हैं।
अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि इस समस्या को अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित करें, ताकि प्रशासन और जनता दोनों इस ओर ध्यान दें और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए उचित कदम उठाएँ।
धन्यवाद।
भवदीय
अमरेन्द्र सिंह
कोलकाता